रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 6 मई, 2026

वर्ष 02 | अंक 112 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

● भावांतर से लेकर यंत्रीकरण तक

हर कदम पर किसानों की आय बढ़ाना हमारा संकल्प:सीएम

कहा-2868 करोड़ से कृषि यंत्रीकरण को मिल रहा है बढ़ावा

देश के सर्वाधिक 5629 कस्टम हायरिंग केंद्र प्रदेश में स्थापित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'कृषक कल्याण वर्ष 2026' में कृषि विभाग ने अन्नदाता को अन्न से लेकर आय तक, परंपरा से लेकर तकनीक तक, हर मोर्चे पर सशक्त किया है। समर्थन मूल्य, भावांतर, श्रीअन्न प्रोत्साहन, भंडारण, डिजिटल व्यवस्था और कृषि यंत्रीकरण से प्रदेश का किसान अब लागत घटाकर, आय बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। राज्य शासन ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं खरीदी के लिये स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक कर दी है और प्रदेशभर में गेहूं का उपार्जन जारी है। न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना में चना एवं मसूर का उपार्जन 30 मार्च से 28 मई 2026 तक किया जा रहा है। उड़द प्रोत्साहन योजना वर्ष 2026 में राज्य सरकार ने समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने का निर्णय लिया है। इससे ग्रीष्मकालीन उड़द का रकबा बढ़ेगा। भावांतर भुगतान योजना में 7.10 लाख पंजीकृत किसानों द्वारा 16.95 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन का विक्रय किया गया।

श्रीअन्न की मूल्य श्रृंखला विकसित होगी

रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में 1 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक प्रमुख उत्पादक 15 जिलों के 3,894 किसानों से 2,829.92 मीट्रिक टन कोदो-कुटकी का उपार्जन किया गया। राज्य सरकार द्वारा क्रय मूल्य के अतिरिक्त 1000 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से किसानों को दी जाएगी। इससे श्रीअन्न की मूल्य श्रृंखला विकसित होगी और किसानों की आय बढ़ेगी। किसानों की उपज सुरक्षित रखने के लिए खाद्यान्न भंडारण योजना के तहत 3.55 लाख मीट्रिक टन नई भंडारण क्षमता निर्मित की जा चुकी हैं। भंडार योजना-सामग्री में 15 लाख मीट्रिक टन क्षमता के आधुनिक गोदाम बनाए जा रहे हैं, जिनमें 11 लाख मीट्रिक टन का पंजीयन पूरा हो गया है। किसानों को बेहतर दाम दिलाने के लिए 50 कृषि उपज मंडियों में ग्रेडिंग-सॉर्टिंग एवं पैकेजिंग संयंत्र की स्थापना की जा रही है।

राहुल गांधी का पीए बताकर उत्तराखंड की महिला से ठगी

● टिकट दिलाने का आश्वासन देकर भरोसे में लिया, प्रदेश के बड़े नेताओं की सुनाई आवाज

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में ठग ने राहुल गांधी का पीए बताकर महिला से 25 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। आरोपियों ने विधानसभा चुनाव में टिकट दिलाने का भरोसा देकर महिला को झांसे में लिया। इस दौरान आरोपी ने महिला को प्रदेश के बड़े नेताओं की आवाज भी सुनाई। भरोसा जीतने के बाद अलग-अलग बहानों से उससे बड़ी रकम वसूली गई, जिसके बाद आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा।

आरोपियों ने पैसे नहीं किए वापस

रकम लेने के बाद आरोपी लगातार बहाने बनाते रहे और पैसा वापस नहीं किया। पीड़िता का आरोप है कि यह एक संगठित गिरोह है, जिसमें सोनिया नंदा, सुनीता कश्यप, मदन लाल और यशपाल बिष्ट जैसे नाम भी शामिल हैं, जिन्होंने फोन के जरिए उसे विश्वास में लिया। पीड़िता ने पुलिस से न्याय मांगा है।

प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की सुनाई आवाज

पीड़िता भावना पांडे ने बताया कि 13 अप्रैल 2026 को आरोपी ने राहुल गांधी का पीए बताकर उनसे संपर्क किया। विश्वास दिलाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, यशपाल आर्य, हरक सिंह रावत और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की आवाज भी सुनाई। जिससे महिला आरोपी के झांसे में आ गई। आरोपियों ने पांच सितारा होटल में विधायकों के ठहरने और विधानसभा से जुड़े खर्च का हवाला देकर उनसे पैसे मांगे।

एमपी में बनेगा व्यापारी कल्याण बोर्ड, सीएम होंगे अध्यक्ष

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की तर्ज पर मप्र व्यापार कल्याण बोर्ड का गठन होगा। इसके अध्यक्ष सीएम डॉ. मोहन यादव होंगे। इसमें 8 विभागों के अलावा अशासकीय सदस्य भी बोर्ड में शामिल होंगे। साथ ही जिला स्तर पर बोर्ड का गठन कर सदस्यों को शामिल किया जाएगा। इसमें राजनीतिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी रहेंगे। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्री चेतन कश्यप ने बताया कि बैठक में दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन के लिए 2442 करोड़ रुपए के प्रावधान को मंजूरी दी गई है। इसी तरह अलग अलग विभागों के लिए 38555 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को भी मंजूरी दी गई है। भोपाल के समीप इलेक्ट्रॉनिक कलस्टर बनाया जा रहा है।

● मोहन कैबिनेट की बैठक में कई निर्णय, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने जिला स्तर तक बनेगी कमेटी

बंगाल में जीत पर जनता का धन्यवाद दिया- सीएम ने भाजपा को बंगाल असम पुडुचेरी में ऐतिहासिक सफलता मिलने पर पीएम मोदी का विशेष धन्यवाद जताया। वहीं मंत्रिमंडल ने झालमुड़ी खाकर खुशियां मनाई। सीएम ने बताया कि अभी तक 41लाख मीट्रिक टन गेंहू उपार्जित किया जा चुका है, इसका 6520 करोड़ का भुगतान भी किया जा चुका है। 14 लाख 70 हजार किसानों की बुकिंग हुई है। इंदौर में 9 से 13 जून तक कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें 26 देश के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

कैबिनेट बैठक में इन्हें मिली मंजूरी- ग्रामीण सड़कों एवं अन्य जिला मार्गों के निर्माण और उन्नयन संबंधी कार्य शुरू रखने को भी मंजूरी दी गई। सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्य संबंधित योजना को भी 16 वें वित्त आयोग के लिए चालू रखने का फैसला लिया गया। 16वें वित्त आयोग की अवधि (2026-2031) के लिए सड़क निर्माण, ग्रामीण मार्गों के उन्नयन और शासकीय आवासों के रखरखाव के लिए सर्वाधिक 32 हजार 405 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क की स्थापना और सूचना प्रौद्योगिकी निवेश प्रोत्साहन को जारी रखने का फैसला हुआ। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अंतर्गत वातावरण प्रदान किया जाएगा।

'पीआईएल' अब पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन बनी

● सुप्रीम कोर्ट बोला-अपने लोगों के लिए काम करें

सबरीमाला केस में वकीलों ने ही याचिका लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (जनहित याचिका) अब प्राइवेट इंटरेस्ट और पब्लिसिटी इंटरेस्ट, पैसा इंटरेस्ट लिटिगेशन और पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन बन गई हैं। यह कमेंट नौ जजों की संविधान बेंच ने केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान किया। कोर्ट ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन के 2006 के पीआईएल के मकसद पर सवाल उठाया, जिसमें केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं के प्रवेश पर रोक को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि पीआईएल कानून की प्रोसेस का गलत इस्तेमाल है और एसोसिएशन को ऐसी पीआईएल फाइल करने के बजाय बार और अपने युवा सदस्यों की भलाई के लिए काम करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में धार्मिक जगहों पर महिलाओं के साथ भेदभाव की याचिकाएं दायर हैं।

● पीएम मोदी बोले-हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे, ईरान ने किया था हमला

यूएई में 3 भारतीयों के घायल होने पर भारत नाराज

तेहरान (एजेंसी)। यूएई के फुजैराह में ऑयल पोर्ट पर हुए हमले को लेकर भारत ने नाराजगी जताई है। सरकार ने कहा कि तीन भारतीयों का घायल होना गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा बंद करने और आम लोगों को निशाना न बनाने को कहा है। भारत ने कहा कि हालात को संभालने का सही रास्ता बातचीत और कूटनीति है, ताकि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बनी रहे। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बिना रुकावट जारी रहनी चाहिए। इससे पहले यूएई ने दावा किया था कि हमला ईरान की तरफ से हुआ था। उन्होंने 12 बैलिस्टिक मिसाइल, 3 क्रूज मिसाइल और 4 ड्रोन को रोकने में कामयाबी पाई। हालांकि ईरान ने यूएई के इस आरोप पर कोई जवाब नहीं दिया है। पीएम मोदी ने भी इस घटना को लेकर पोस्ट किया और कहा कि आम लोगों व जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यूएई के ड्रोन प्लांट पर हमला

ईरान ने यूएई के फुजैराह में एक पेट्रोलियम प्लांट पर ड्रोन हमला किया। इससे इंडस्ट्री एरिया में आग भड़क उठी। इसमें 3 भारतीय भी घायल हुए हैं। अमेरिका ने होर्मुज के आसपास प्रोजेक्ट फ्रीडम पहल शुरू किया। इसके तहत होर्मुज में फंसे विदेशी जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद करने का वायदा किया गया है। होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरिया के एक जहाज पर हमला हुआ जिससे आग लग गई। ट्रम्प का कहना है कि यह हमला ईरान ने किया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अमेरिकी सेना ने जब्त ईरानी जहाज टूस्का को पाकिस्तान को सौंप दिया। इसे 22 क्रू मेंबर के साथ ईरान भेजा गया। अमेरिकी नेवी ने 21 अप्रैल को इस जहाज को पकड़ा था। ईरान में मोसाद से जुड़े होने के आरोप में लोगों को फांसी दे दी गई। इन पर जनवरी 2026 में तख्तापटल की साजिश का आरोप था। इस साल 25 राजनीतिक कैदियों को फांसी दी जा चुकी है।

22 देशों के बीच भारत का जलवा

मोजियांग में भोपाली ट्विन्स के बॉलीवुड डांस पर झूम उठा चीन

भोपाल (नप्र)। चीन के युन्नान प्रांत में हाल ही में आयोजित 20वें इंटरनेशनल ट्विन्स फेस्टिवल-2026 में भारत का दबदबा देखने को मिला। भोपाल के ट्विन्स क्लब ने इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर न केवल अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, बल्कि अपनी शानदार प्रस्तुतियों से 10 हजार से अधिक दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

30 अप्रैल से 4 मई तक चला जश्न

क्लब के अध्यक्ष अभिषेक खरे के नेतृत्व में भारतीय दल चीन पहुंचा था। इस टीम में बॉलीवुड अभिनेता और डांसर जोड़ी पराग-प्रयास चौधरी के साथ-साथ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रकृति-श्रृष्टि कुशवाहा शामिल थीं। इन दोनों जोड़ियों ने जब बॉलीवुड गानों के मेडली पर डांस शुरू किया, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

लिम्का बुक में दर्ज है क्लब की पहचान- बता दें कि भोपाल का यह ट्विन्स क्लब कोई आम क्लब नहीं है, बल्कि इसका नाम वर्ष 2003 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है। साल 2014 से यह क्लब लगातार चीन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इस साल की थीम 'ट्विन्स फार पेस एण्ड लव' रखी गई थी।

22 देशों के 700 से ज्यादा जुड़वां हुए शामिल

इस फेस्टिवल में अमेरिका, इंग्लैंड, मलेशिया और श्रीलंका समेत 22 देशों के 200 से अधिक और खुद चीन के 500 से अधिक जुड़वां प्रतिभागी शामिल हुए।

अभिषेक खरे, अध्यक्ष (ट्विन्स क्लब भोपाल) ने बताया कि भारतीय ट्विन्स पिछले 10 सालों से यहां आ रहे हैं। इससे चीन के लोगों और अन्य देशों के साथ हमारे रिश्ते मजबूत हुए हैं। यहां आना किसी सपने के सच होने जैसा है।

वेशभूषा ने जीता सबका दिल

परेड के दौरान जब भारतीय टीम पारंपरिक ड्रेस में उतरी, तो विदेशी प्रतिभागी उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए उत्साहित दिखे। पराग और प्रयास ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आकर ऐसा लगा जैसे हम अपने वैश्विक परिवार से मिल रहे हैं। वहीं, प्रकृति और श्रृष्टि ने आयोजन की भव्यता को देखकर अपनी खुशी जाहिर की।

अब भारत में भी मनेगा ट्विन्स उत्सव

चीन में मिली इस सफलता के बाद अभिषेक खरे ने एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि भविष्य में ट्विन्स क्लब, भोपाल और ट्विन्स इंडिया मिलकर भारत में भी इसी तरह का एक भव्य इंटरनेशनल ट्विन्स

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा मंगलवार,12 मई को, जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में होगी बैठक

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक मंगलवार,12 मई को दोपहर 2.30 बजे से जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित होगी। सुश्री कौर द्वारा बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग एवं समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। बैठक में महिला एवं बाल विकास और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत अपूर्ण आंगनवाड़ी भवनों, वाटर हार्वेस्टिंग, जल जीवन मिशन के कार्यों और पेयजल की उपलब्धता आदि की समीक्षा, मनरेगा, योजना विभाग,पंचायत (निर्माण),15वां वित्त, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम (एमडीएम) / शिकायत शाखा, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन,प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण की समीक्षा की जाएगी।

भोपाल में ब्लू लाइन मेट्रो के लिए काटे गए दशकों पुराने पेड़

पुरानी विधानसभा के सामने चल रहा सफाई का काम

भोपाल (नप्र)। झीलों के शहर भोपाल में विकास की रफ्तार अब पेड़ों पर भारी पड़ने लगी है। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के ब्लू लाइन एलिवेटेड कॉरिडोर का रास्ता साफ करने के लिए ऐतिहासिक मिंटो हॉल यानी पुरानी विधानसभा के ठीक सामने लगे दशकों पुराने छायादार पेड़ों को काट दिया गया है।

मुसाफिरों का आसरा खत्म- ये पेड़ महज हरियाली का हिस्सा नहीं थे, बल्कि पास के व्यस्त बस स्टॉप पर खड़े यात्रियों के लिए तपती गर्मियों में कुदरती छतरी का काम करते थे। अब वहां सिर्फ सन्नाटा और कांक्रीट का मलबा नजर आता है।

इन पेड़ों के नीचे खड़े होकर हम बस का इंतजार करते थे। अब यहां सिर्फ धूप बची है। मेट्रो आए यह अच्छी बात है, लेकिन सरकार को ये भी देखना चाहिए कि नए पेड़ कब और कहां लगेंगे?

सब नियमों के तहत हुआ- पेड़ों की कटाई को लेकर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि यह काम जरूरी था। एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने के लिए खाली जगह की जरूरत होती है। अफसरों के मुताबिक, पेड़ों को काटने के लिए सभी जरूरी कानूनी अनुमतियां ली गई थीं। नुकसान की भरपाई के लिए अब कैपिटल प्रोजेक्ट एडमिनिस्ट्रेशन को दोबारा पौधारोपण की जिम्मेदारी दी गई है।

ब्लू लाइन प्रोजेक्ट: एक नजर में

यह कटाई 12.9 किलोमीटर लंबे ब्लू लाइन प्रोजेक्ट का हिस्सा है। यह लाइन भदभदा चौराहे से शुरू होकर रत्नागिरी तिराहे तक जाएगी।

कॉरिडोर का नाम, ब्लू लाइन-कुल दूरी-12.9 किलोमीटर- स्टेशनों की संख्या- 13 एलिवेटेड स्टेशन- समय सीमा-2025 में काम शुरू, 3 साल का लक्ष्य- रूट- भदभदा से रत्नागिरी तिराहा

विकास बनाम पर्यावरण

पर्यावरणविदों का मानना है कि भले ही काटे गए पेड़ों की संख्या कम हो, लेकिन ऐतिहासिक इमारतों के पास से हरियाली का गायब होना चिंताजनक है। यह मामला एक बार फिर शहर के बुनियादी ढांचे के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण के बीच के तनाव को उजागर करता है। जहां एक ओर मेट्रो शहर में यातायात को आधुनिक बनाएगी, वहीं दूसरी ओर पुराने पेड़ों के कटने से भोपाल की ग्रीन सिटी वाली छवि पर सवाल उठ रहे हैं।

सीढ़ी लगाने के विवाद में मारपीट, महिला और बेटी घायल-चार लोगों पर आरोप

हेमंत भार्गव

शिवपुरी, शिवपुरी जिले के करेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गाड़ीवान मोहल्ला मोती मस्जिद के पास एक पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सीढ़ी (जीना) लगाने को लेकर हुए विवाद में महिला और उसकी बेटी के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरियादिया साजिदा बानो पति खालिद खान (उम्र 32 वर्ष) निवासी गाड़ीवान मोहल्ला ने दिनांक 05 मई 2026 को थाना करेरा में मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि दोपहर करीब 1 बजे वह अपनी बेटी हुमेरा खान के साथ घर पर बनी दुकान में मौजूद थीं। तभी उनके जेठ चांद खान, जेठानी साविरा खान, भतीजा इरफान खान और भतीजी सोनिया खान वहां पहुंचे। आरोप है कि सीढ़ी लगाने के विवाद को लेकर चारों आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। मना करने पर उन्होंने साजिदा बानो और उनकी बेटी के साथ लाठी, लात-घूंसों से मारपीट की। इस घटना में साजिदा बानो को सिर के पीछे और पीठ में चोटें आई हैं, वहीं हाथ पर खरोंच के निशान भी हैं। उनकी बेटी हुमेरा खान को सिर, आंख के नीचे, हाथ और कान के पास चोटें आई हैं। घटना के दौरान मौके पर मौजूद यूसुफ खान और जिशान खान ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। फरियादिया ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आबकारी इन्दौर की कार्यवाही

कलेक्टर महोदय जिला- इन्दौर, श्रीमान् शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में आज दिनांक 04.05.2026 को वृत्त - बलदा कॉलोनी प्रभारी प्रियंका रानी चौरसिया की टीम के द्वारा वृत्त-बलदा कॉलोनी के क्षेत्र में सायंकालीन गश्त के दौरान *एकता नगर सब्जी के ठेले से अवैध मदिरा का विक्रय, पिपलिया पाला सर्विस रोड पर वाहन द्वारा व अवैध मदिरा परिवहन एवं अवैध मदिरा विक्रय के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई ।

कार्यवाही में दो प्रकरण कायम किए

एक दोपहिया वाहन जुपिटर स्कूटर क्रमांक MP09-DZ-7729 से अवैध मदिरा परिवहन कर ले जाई जा रही प्लास्टिक की सफेद बोरियों में और गाड़ी की डिक्की में 75 पाव देशी प्लेन मदिरा (कुल 13.5 बल्क लीटर) बरामद की गई। बरामद मदिरा को वाहन सहित जप्त कर आरोपी प्रदीप पिता हरि जादव उम्र 26वर्ष, जाति - बंजारा, निवासी राहुल गांधी नगर जिला - इन्दौर के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबध्द किया गया। मदिरा व वाहन का कुल बाज़ार मूल्य लगभग 90625/- रुपए है। दूसरा आरोपी अजय पिता उमेश उम्र 30 वर्ष एकता नगर जिला इंदौर सब्जी के ठेले से अवैध मदिरा विक्रय के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद किया गया मदिरा का बाजार मूल्य 9540/-रुपए दोनों प्रकरण में कुल जपती मूल्य 100165/- प्रकरण में विवेचना जारी है। कार्यवाही में आबकारी आरक्षक कैलाश अखंड,संगीता यादव सराहनीय योगदान रहा।

धार नवागत पुलिस अधीक्षक एसपी सचिन शर्मा ने संभाला पदभार अपराधियों पर कसेगा शिकंजा, कानून-व्यवस्था पर रहेगा सख्त पहरा

दिलीप पाटीदार

धार जिले के नए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदभार ग्रहण किया, सबसे पहले वे शहर के प्राचीन श्री धारेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे और दर्शन पूजन किया उसके बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद मीडिया से बातचीत में पुलिस अधीक्षक (S.P.) सचिन शर्मा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता जिले में शांति, सुरक्षा और कानून का राज स्थापित करना है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि अपराधियों के लिए जिले में कोई जगह नहीं होगी और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिले में हॉटस्पॉट चिन्हित कर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओ को रोकना, अवैध नशे की बिक्री का कारोबार ध्वस्त करना और आरोपियों को गिरफ्तार कर ठोस कार्यवाही करना, ट्राफिक व्यवस्था में सुधार, महिला संबंधी अपराध, बच्चों संबंधी अपराधों पर नियंत्रित करने सहित सोशल पुलिसिंग के माध्यम से आम जनता के बीच संवाद स्थापित कर लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक बढ़ाने का विशेष प्रयास करेंगे, आपको बता दें कि नवागत पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा पूर्व में भी धार जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं धार जिले में यह उनकी दूसरी पोस्टिंग है। जनता के विश्वास को सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस और नागरिकों के बीच सहयोग से ही बेहतर कानून-व्यवस्था कायम की जा सकती है।

"सालाना सांस्कृतिक कैलेंडर और कला व कलाकारों का प्रादेशिक विनियम एक महत्वपूर्ण कदम - डॉ. भरत शर्मा"

इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और सांस्कृतिक प्रतिनिधि डॉ. भरत शर्मा की सांस्कृतिक संरक्षण और संवर्धन पर चर्चा

आदित्य शर्मा

मध्यप्रदेश हमेशा से ही भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन हेतु एक सक्रिय और गंभीर भूमिका निभाता रहा है। इंदौर अपनी सांस्कृतिक विविधता, संगीत नाट्य, शिल्प और कला के अधिकतर आयाम में विश्वपटल पर अपनी छाप छोड़ रहा है। प्रदेश और शहर के कलाकारी को अन्य प्रदेशों में मध्यभारत की संस्कृति का प्रचार प्रसार करने और देश के अन्य राज्यों के कलाकारों को अपने प्रदेश और शहर में राष्ट्रीय संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई इस चर्चा में विभिन्न पहलू पर चर्चा की गई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव का सकारात्मक दृष्टिकोण और मार्गदर्शन शहर के कलाकारी के हित की रक्षा और संस्कृति के उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान को संभावित करेगा। महापौर ने चर्चा में कहा की इंदौर घराना, म.प्र. संस्कृति परिषद, intach समय समय पर राष्ट्रीय स्तर कलाकारों को मंच दे रहा है। लाल बाग पैलेस, राजबाड़ा, गांधी हॉल व कई सभागार इंदौर के कलाकारी को सांस्कृतिक उत्सव, लोक कला, हेरिटेज वाक, कला प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूकता पैदा कर लोक कलाकारियों को मंच दे रहा है। मालवा उत्सव, अहिल्या उत्सव, लिटरेचर फ़ेस्टिवल आदि ने राष्ट्रीय छाप छोड़ी है। वर्षभर का सांस्कृतिक कैलेंडर और कलाकार विनियम इस दिशा में सराहनीय प्रयास होगा। उक्त अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और डॉ. भरत शर्मा सम्मान सुनील पटेल ने किया। चर्चा के दौरान संघ मुन्ना ठाकुर, पार्षद योगेश गेंदर, रमेश थट्टे, सीडी शुक्ला, अमित गौर व जयेश तिवारी मौजूद रहे।

सकारात्मक सोच और ध्यान (सहजयोग) का गहरा संबंध

आज के तनावपूर्ण और तेज़ रफ्तार जीवन में मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। ऐसे समय में "सकारात्मक सोच" और "ध्यान" (मेडिटेशन) दो ऐसे स्तंभ हैं जो न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि जीवन को एक नई दिशा भी देते हैं। सहजयोग के संदर्भ में इन दोनों का संबंध अत्यंत गहरा और स्वाभाविक है।

सकारात्मक सोच क्या है?

सकारात्मक सोच केवल अच्छा सोचने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी मानसिक अवस्था है जिसमें व्यक्ति परिस्थितियों को संतुलित और आशावादी दृष्टिकोण से देखता है। यह हमें निराशा, भय और नकारात्मकता से दूर रखती है।

ध्यान (सहजयोग) क्या है?

सहजयोग एक सरल और प्राकृतिक ध्यान पद्धति है, जिसमें "कुंडलिनी जागरण" के माध्यम से व्यक्ति आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करता है। इस प्रक्रिया में मन शांत होता है और व्यक्ति वर्तमान क्षण में स्थित हो जाता है। सहजयोग में ध्यान बिना किसी जोर-ज़बरदस्ती के सहज रूप से घटित होता है। सकारात्मक सोच और ध्यान का संबंध-सकारात्मक सोच और ध्यान एक-दूसरे के पूरक हैं।

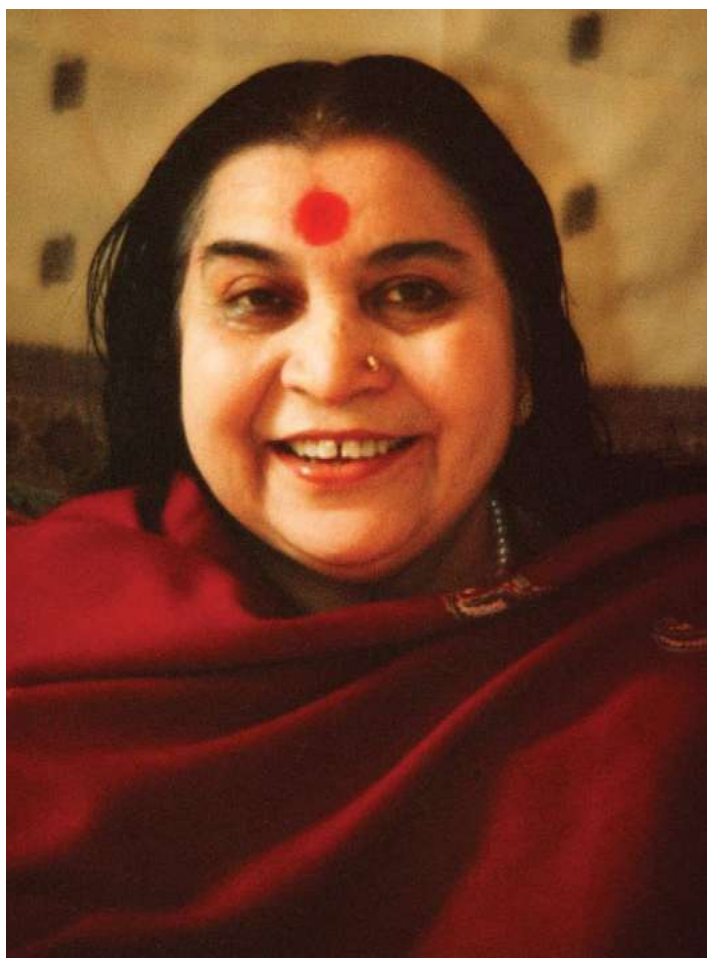

सहजयोग के अभ्यास से यह संबंध और भी स्पष्ट हो जाता है

1. मन की शुद्धि और स्थिरता:

ध्यान करने से मन की चंचलता कम होती है और विचारों की संख्या घटती है। जब मन शांत होता है, तब नकारात्मक विचार स्वतः कम होने लगते हैं और सकारात्मक सोच विकसित होती है।

2. आत्म-जागरूकता का विकास:

सहजयोग हमें अपने भीतर झांकने की प्रेरणा देता है। जैसे-जैसे हम स्वयं को समझते हैं, हम अपनी कमजोरियों और शक्तियों को पहचानते हैं, जिससे सोच सकारात्मक दिशा में बदलती है।

3. भावनात्मक संतुलन:

ध्यान के नियमित अभ्यास से क्रोध, चिंता और भय जैसे भाव नियंत्रित होते हैं। इससे व्यक्ति अधिक संतुलित और शांत रहता है, जो सकारात्मक सोच की नींव है।

4. वर्तमान में जीने की कला:

सहजयोग हमें वर्तमान क्षण में जीना सिखाता है। जब हम अतीत या भविष्य की चिंताओं से मुक्त होते हैं, तो हमारा दृष्टिकोण स्वाभाविक रूप से सकारात्मक हो जाता है।

5. आंतरिक आनंद की अनुभूति:

ध्यान के माध्यम से मिलने वाला आंतरिक आनंद बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं होता। यह स्थायी खुशी हमें जीवन के प्रति सकारात्मक बनाती है। यदि हम नियमित रूप से सहजयोग का अभ्यास करें, तो न केवल हमारी सोच सकारात्मक होगी, बल्कि हमारा पूरा जीवन संतुलित, शांत और आनंदमय बन सकता है।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर जिला भाजपा में जश्न, कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर दी बधाई

आदित्य शर्मा

इंदौर ग्रामीण-इंदौर-भारतीय जनता पार्टी की बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनाव में ऐतिहासिक जीत को लेकर भाजपा जिला कार्यालय पर जीत की ख़ुशी में जश्न मना कर मिठाई बाँटकर जीत की ख़ुशी मनाई । भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावडा ने कहा यह परिणाम जनमानस के अटूट विश्वास, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास की राजनीति और सुशासन की विजय के प्रतीक हैं।

यह ऐतिहासिक जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, सेवा भाव और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र पर जनता की मुहर है। इस महत्वपूर्ण विजय के लिए सभी सम्मानित मतदाताओं, समर्पित कार्यकर्ताओं एवं नेतृत्व को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन देते हुए कहा कि यह परिणाम स्पष्ट करता है।

कि देश की जनता विकास, सुरक्षा और स्थिरता के साथ दृढ़ता से खड़ी है और उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी ऐसी ही ऐतिहासिक जीत प्रदेश में दर्ज करेगी सभी जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के अपने संकल्प को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाएं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

झाबुआ से हुई गुम हुई लड़की गुना जिले से शकुशल दस्तीयाब

जीआरपी थाना गुना की सतर्कता से गुमशुदा महिला सकुशल बरामद, परिजनों को किया सुपुर्द

सलीम हूसैन

झाबुआ। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध जीआरपी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक बार फिर सराहनीय सफलता प्राप्त हुई है। जीआरपी थाना गुना की मुस्तैदी, त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता के चलते गुमशुदा महिला को सकुशल खोजकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया, जिससे परिजनों ने राहत की सांस ली। राजाबाबू सिंह, अति पुलिस महानिदेशक रेलवे भोपाल के निर्देशानुसार तथा हेमंत चौहान, प्रभारी पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर एवं ज्योति शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर के मार्गदर्शन में जीआरपी टीम ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय दिया।

दिनांक 04-05 मई 2026 की मध्यरात्रि में पुलिस थाना कोतवाली झाबुआ एवं सीसीटीएनएस रेल इंदौर से प्राप्त सूचना के आधार पर गुमशुदा महिला (शाहिन खान, काल्पनिक नाम, उम्र 19 वर्ष, निवासी झाबुआ) जीआरपी गुना टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच में सघन तलाशी अभियान चलाया। जीआरपी की सतर्क निगाहों ने जल्द ही सफलता दिलाई और बताए गए हुलिए से मिलती महिला को ट्रेन से सुरक्षित उतारकर थाने लाया गया। पहचान एवं पुष्टि के पश्चात महिला को आवश्यक देखभाल प्रदान की गई तथा आत्मीय वातावरण में पूछताछ की गई। पूछताछ में महिला द्वारा पारिवारिक कारणों से घर छोड़ना बताया गया। इसके उपरांत जीआरपी द्वारा तत्परता से संबंधित थाना एवं परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस थाना कोतवाली झाबुआ एवं परिजनों की उपस्थिति में महिला को विधिवत सुपुर्द किया गया। परिजनों ने जीआरपी पुलिस की इस संवेदनशील एवं सराहनीय कार्रवाई के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। यह सफलता जीआरपी की कर्तव्यनिष्ठा, सजगता एवं मानवीय दृष्टिकोण का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो यात्रियों की सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सराहनीय

कार्य करने वाली टीम –सहयोगी टीम झाबुआ पुलिस निरीक्षक रमेश चंद्र भास्करे थाना प्रभारी सउनि श्रीपाल सिंह, प्रआर 516 रमाकांत ओझा, प्रआर 412 राजकुमार, मआर 80 पायल पालीवाल, आर 348 प्रदीप सिंह, आर 474 सूरज धाकड़, प्रआर जगदीश तिवारी (सीसीटीएनएस), जीआरपी ब्यावरा से प्रआर 248 अजय यादव एवं आर 250 देवी सिंह।

पहली आंधी ने ही खोल दी बिजली मैंटेनेंस की पोल

दावों की उड़ गई हवा, तेज आंधी में आधा शहर अंधेरे में डूबा

इन्दौर। मई की पहली आंधी ने बिजली कंपनी के मेंटेनेंस दावों की हकीकत सामने ला दी। सोमवार रात करीब 8.30 बजे चली तेज आंधी और हवाओं ने शहर की बिजली व्यवस्था को झकझोर दिया। हालात ऐसे बने कि शहर के कई हिस्सों में 10 मिनट से लेकर 50 मिनट तक बिजली गुल रही और लोग उमस व गर्मी से बेहाल होते रहे। विडंबना यह रही कि जहां एक ओर उपभोक्ता अंधेरे में परेशान रहे, वहीं दूसरी ओर बिजली कंपनी के जिम्मेदार इंजीनियर 'सब सामान्य' होने का दावा करते रहे। रात 9 बजे के बाद शहर के कई इलाकों में बिजली गुल होने का सिलसिला शुरू हो गया। सबसे ज्यादा असर विजयनगर के वेस्ट प्राइड क्षेत्र में देखने को मिला, जहां ग्रिड में फाल्ट आने से बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। इसके अलावा स्कीम नंबर 114, स्कीम 78 और निपानिया जैसे पॉश इलाकों में भी लंबे समय तक अंधेरा पसरा रहा। कई स्थानों पर तकनीकी टीम को सप्लाई बहाल करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

ग्रिड फाल्ट और ट्रिपिंग ने बढ़ाई परेशानी- तेज हवाओं के चलते शहर के कई हिस्सों में बार-बार ट्रिपिंग की समस्या सामने आई। कुशवाह नगर, एमपी नगर, बर्फानी धाम और राऊ क्षेत्र के रहवासी लगातार बिजली आने-जाने से परेशान रहे। वहीं एबी रोड, रीगल और राजवाड़ा के आसपास भी बिजली आपूर्ति बाधित रही। कई इलाकों में वोल्टेज की अनियमितता और बार-बार ट्रिपिंग ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

अधिकारी भी चौंके, इंजीनियरों का रटा-रटाया जवाब- स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब प्रभावित क्षेत्रों के लोगों ने वरिष्ठ अधिकारियों को फोन लगाए, तो वे भी वास्तविक हालात जानकर हैरान रह गए। उपभोक्ताओं का आरोप है कि एक ओर वे अंधेरे, गर्मी और उमस से जूझते रहे, दूसरी ओर विभाग के बड़े इंजीनियर 'सप्लाई सामान्य' और 'स्थिति नियंत्रण में' होने का रटा-रटाया जवाब देते रहे।

दो महीने की कटौती, फिर भी पहली आंधी में फेल सिस्टम- शहर में पिछले दो महीनों से बिजली कंपनी अलग-अलग क्षेत्रों में मेंटेनेंस के नाम पर रोजाना 3 से 4 घंटे तक बिजली कटौती कर रही है। कंपनी का दावा था कि गर्मी और बारिश के मौसम से पहले लाइनों, ट्रांसफार्मरों और ग्रिड का व्यापक रखरखाव किया जा रहा है, ताकि किसी तरह की तकनीकी समस्या न आए। लेकिन पहली ही आंधी ने इन दावों की पोल खोल दी। उपभोक्ताओं का कहना है कि जब हल्की आंधी और तेज हवा भी बिजली व्यवस्था नहीं झेल पा रही, तो फिर यह कैसा मेंटेनेंस है? लोगों ने सवाल उठाए हैं कि आखिर दो महीने तक की गई कटौती और मेंटेनेंस का फायदा क्या हुआ, जब पहली ही मौसमीय परीक्षा में पूरा सिस्टम फेल हो गया।

उपभोक्ताओं में नाराजगी, जवाबदेही पर सवाल- मंगलवार रात की बिजली कटौती ने न सिर्फ बिजली कंपनी की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि मेंटेनेंस कार्यों की गुणवत्ता और जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उपभोक्ताओं का साफ कहना है कि यदि पहली ही आंधी में शहर की बिजली व्यवस्था चरमरा जाए, तो आने वाले मानसून में हालात और खराब हो सकते हैं। अब जरूरत सिर्फ दावों की नहीं, जमीनी स्तर पर मजबूत और टिकाऊ बिजली व्यवस्था की है।

तेज आंधी से बदला मौसम, रात का पारा 4 डिग्री लुढ़का

सामान्य से 4 डिग्री नीचे पहुंचा न्यूनतम तापमान, 8 मई तक ऐसे ही रहेंगे मौसम के तेवर

इंदौर। शहर में सोमवार की देर रात चली तेज आंधी और कई इलाकों में बूंदाबांदी ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। दिनभर गर्मी और उमस के बाद देर रात तेज हवाएं चलीं, जिससे मंगलवार दिन के तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई। रात का पारा करीब 4 डिग्री लुढ़ककर सामान्य से भी 4 डिग्री नीचे पहुंच गया। मौसम में आई इस नरमी से लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं शहर के कई हिस्सों में हल्की बौछारें भी दर्ज की गईं। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के कई हिस्सों सहित इंदौर का मौसम बदला है। इसी सिस्टम के असर से तेज हवाएं, बादल और हल्की बारिश का दौर बना हुआ है। मंगलवार देर रात शहर में चली तेज आंधी ने गर्मी का असर कम कर दिया और वातावरण में ठंडक घुल गई। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक शहर में अगले तीन दिन यानी 8 मई तक मौसम इसी तरह बना रहेगा। इस दौरान बादल छाने, तेज हवाएं चलने और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी या बौछारें गिरने की संभावना है। तापमान में भी ज्यादा बढ़ोतरी के आसार नहीं हैं, जिससे दिन और रात दोनों में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रहेगा। मंगलवार रात अचानक बदले मौसम से शहरवासियों को तपिश से राहत जरूर मिली, लेकिन तेज आंधी के कारण कई इलाकों में धूल उड़ने और पेड़ों की शाखाएं टूटने जैसी घटनाएं भी सामने आईं।

राजवाड़ा में मिला ज्ञान का खजाना: 2 लाख से ज्यादा हस्तलिखित पांडुलिपियां दर्ज, अब होगी विशेषज्ञ जांच

इंदौर। भारत सरकार के 'ज्ञान भारत' मिशन के तहत प्राचीन और दुर्लभ पांडुलिपियों की खोज में इंदौर ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अकेले राजबाड़ा क्षेत्र में ही 2 लाख से अधिक हस्तलिखित पांडुलिपियां मिली हैं। पुरातत्व विभाग ने इन सभी पांडुलिपियों का पंजीयन कर लिया है। अब विशेषज्ञों की टीम इनकी जांच करेगी और ऐतिहासिक महत्व के आधार पर इन्हें संरक्षित भी किया जाएगा। यह खोज भारत सरकार के राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के अंतर्गत चल रहे अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत देशभर में बिखरी प्राचीन लिखित धरोहरों को खोजकर दस्तावेजीकृत किया जा रहा है। इंदौर में पुरातत्व विभाग को अपनी ही देखरेख में सबसे बड़ी संख्या में पांडुलिपियां मिली हैं, जो इस अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में गिनी जा रही है। पुरातत्व विभाग के अनुसार, राजबाड़ा स्थित कार्यालय और उसके आसपास के क्षेत्रों में मिली इन पांडुलिपियों में रियासतकालीन राजाओं के फरमान, प्रशासनिक अभिलेख, धार्मिक ग्रंथ, वंशावली दस्तावेज और कई दुर्लभ हस्तलिखित लेख शामिल हैं। इनमें से कई पांडुलिपियां ऐसी हैं, जो तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक व्यवस्था पर नई रोशनी डाल सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन पांडुलिपियों का अध्ययन इंदौर और मालवा क्षेत्र के इतिहास को समझने में बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। इन दस्तावेजों में शासन व्यवस्था, न्याय प्रणाली, कर व्यवस्था, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक संरचना से जुड़े ऐसे तथ्य मिल सकते हैं, जो अब तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। विभाग ने सभी पांडुलिपियों को विधिवत रजिस्टर्ड कर सुरक्षित सूची में शामिल कर लिया है। अब विषय विशेषज्ञ, इतिहासकार और पांडुलिपि विशेषज्ञ इनकी भाषा, लिपि, कालखंड और ऐतिहासिक महत्व का परीक्षण करेंगे। जांच के बाद महत्वपूर्ण पांडुलिपियों को संरक्षित कर डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए इस धरोहर को सुरक्षित रखा जा सके। गौरतलब है कि 'ज्ञान भारत' मिशन के तहत मध्य प्रदेश के 52 जिलों से अब तक करीब 13 लाख पांडुलिपियां खोजी जा चुकी हैं। इनमें इंदौर का योगदान सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजबाड़ा में मिली 2 लाख से अधिक पांडुलिपियां न केवल शहर, बल्कि पूरे प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही हैं। यह खोज इंदौर के गौरवशाली अतीत को नए सिरे से सामने लाने का काम करेगी।

मधु मिलन-छावनी मार्ग निर्माण को लेकर निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने के निर्देश

इंदौर। शहर के महत्वपूर्ण मधु मिलन चौराहे से छावनी तक प्रस्तावित सड़क निर्माण को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मंगलवार को स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ स्थानीय विधायक गोलू शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, नगर निगम के अधिकारी, मैप और प्रतिनिधि भावेश दवे, स्थानीय पार्षद पंखुड़ी दोषी, मृदुल अग्रवाल, एमआईसी सदस्य राजेंद्र, मनीष शर्मा मामा राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने क्षेत्र के रहवासियों से संवाद कर सड़क निर्माण में सहयोग की अपील की। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अगले दो से तीन दिनों के भीतर अपने-अपने अतिक्रमण स्वयं हटा लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समयसीमा के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने पर नगर निगम द्वारा कार्रवाई कर उन्हें हटाया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि मधु मिलन चौराहे से छावनी तक का यह मार्ग शहर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसका निर्माण निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान के तहत इस सड़क को प्रथम चरण में 60 फीट चौड़ा किया जाएगा। इसके बाद यातायात की स्थिति के अनुसार आगे की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि 60 फीट चौड़ाई को लेकर क्षेत्र के अधिकांश रहवासी सहमत हैं, जिससे कार्य में तेजी आने की उम्मीद है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने पर अनावश्यक कार्रवाई से बचा जा सकेगा।

समितियां लोकतंत्र की आत्मा, इसे प्रभावी बनाना हमारा कर्तव्य : तोमर

जयपुर, भोपाल । समिति प्रणाली की समीक्षा हेतु गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की द्वितीय बैठक राजस्थान विधानसभा, जयपुर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने की। अपने उद्बोधन में मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि समिति प्रणाली वास्तव में लोकतांत्रिक शासन का वह आधारभूत स्तंभ है, जो नीति निर्माण को केवल सैद्धांतिक प्रक्रिया न रहने देकर उसे व्यवहारिक और उत्तरदायी बनाता है। समिति प्रणाली केवल एक संवैधानिक प्रावधान नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की जीवंत आत्मा है। हम सभी पर यह नैतिक और संवैधानिक दायित्व है कि हम इस प्रणाली को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखें, बल्कि इसे एक सशक्त, सक्रिय और परिणामोन्मुख माध्यम के रूप में विकसित करें। जब समितियाँ सशक्त होंगी, तो विधायिका सशक्त होगी; और जब विधायिका सशक्त होगी, तब लोकतंत्र और अधिक दृढ़, विश्वसनीय और जन-केन्द्रित बनेगा। मुझे गर्व है कि मध्यप्रदेश विधानसभा समिति प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा

जनकल्याण में इसकी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। श्री तोमर ने कहा कि हमारा लोकतंत्र केवल संविधान के प्रावधानों से ही नहीं चलता, बल्कि उन जीवंत संस्थाओं से भी संचालित होता है, जो जन-आकांक्षाओं को नीतियों में रूपांतरित करती हैं। विधायिका इस प्रक्रिया का केंद्र है, और विधायिका की प्रभावशीलता का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधार है– समिति प्रणाली। समिति प्रणाली केवल एक प्रशासनिक ढांचा नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों की अभिव्यक्ति है। यह हमें यह सिखाती है कि संवाद, सहमति और सहयोग के माध्यम से ही हम बेहतर निर्णय ले सकते हैं। यह हमारा कर्तव्य है कि हम समिति प्रणाली को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए ठोस कदम उठाएँ। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह प्रणाली केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि वास्तव में लोकतंत्र की शक्ति का आधार बने। यदि हम इसे सही दिशा में ले जाने में सफल होते हैं, तो यह न केवल हमारी विधायिकाओं को अधिक प्रभावी बनाएगा, बल्कि जनता के विश्वास को भी सुदृढ़ करेगा।

छह राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों की भागीदारी– बैठक में पश्चिम बंगाल को छोड़ कर सात में से छह राज्यों - मध्य प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री कुलदीप सिंह पठानिया, उड़ीसा विधान सभा की अध्यक्ष श्रीमती सुरमा पाढ़ी और सिक्किम विधान सभा के अध्यक्ष श्री मिंगमा नोरबू शेरपा शामिल हुए। गौरतलब है कि समिति की पहली बैठक 14 जुलाई 2025 को मध्यप्रदेश विधानसभा में आयोजित हुई थी, जिसमें विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव उपस्थित हुए थे। इस बैठक में समिति प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा जनकल्याण में इसकी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में विचार-विमर्श हुआ था।

म.प्र. मदरसा बोर्ड की परीक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम के ऑनलाइन आवेदन की तिथि जारी

भोपाल (नप्र)। म.प्र. मदरसा बोर्ड द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी (उर्दू माध्यम) परीक्षा आवेदन पत्र आमंत्रित करने की तिथियों का शैक्षणिक कैलेण्डर जारी किया गया है। छात्र स्वंय अथवा अध्ययन केन्द्रों दोनों माध्यमों से ऑनलाइन परीक्षा आवेदन पत्र भर सकेंगे। छात्रों द्वारा सीधे ऑनलाइन आवेदन करने पर अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी/ मदरसा प्रभारी से ऑनलाइन आवेदन पत्र का सत्यापन कराकर निर्धारित तिथियों में म.प्र. मदरसा बोर्ड को भेजना होगा। क्रेडिट योजनांतर्गत सम्मिलित होने वाले छात्रों को संबंधित मंडल से अंकसूची का सत्यापन कराकर सत्यापन एवं मूल अंकसूची परीक्षा आवेदन के साथ भेजना होगा। स्वंय अंकसूची का सत्यापन न कराने वाले छात्रों को बोर्ड द्वारा निर्धारित सत्यापन शुल्क 1000/- ऑनलाइन/चालान के माध्यम से जमा करना होंगे। शैक्षणिक कैलेण्डर एवं शुल्क संरचना म.प्र. मदरसा बोर्ड की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने मंत्रालय में विकास कार्यों की समीक्षा की।

सिंगरौली की शर्मनाक तस्वीर, अस्पताल के गेट पर तड़पती रही गर्भवती, ताले ने छीन ली नवजात की सांसें

सिंगरौली (नप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले से एक ऐसी रूह कंपा देने वाली खबर आई है, जिसने सरकारी दावों की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। चितरंगी इलाके में एक गर्भवती महिला दर्द से कराहती रही, अपनों ने मदद के लिए उपस्वास्थ्य केंद्र का दरवाजा खटखटाया, लेकिन वहां मिला तो सिर्फ एक बड़ा सा ताला और सन्नाटा। मजबूरी में अस्पताल के गेट पर ही डिलीवरी करानी पड़ी, लेकिन अफसोस कि दुनिया देखने से पहले ही उस मासूम की सांसें थम गईं।

दावों की खुली पोल– चितरंगी के लमसरई केंद्र की हालत देखकर ऐसा लगा मानो यह कोई वीरान खंडहर हो। चारों तरफ लंबी घास और गेट पर जंग लगा ताला। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां डॉक्टर या नर्स के दर्शन तो 'ईद के चांद' की तरह कभी-कभार ही होते हैं।

पीड़ित ग्रामीण महिला ने कहा कि हम गरीब लोग हैं साहब, न पास में गाड़ी है न पैसा। इमरजेंसी में जब अस्पताल के ताले बंद मिलते हैं, तो सिवाय भगवान को याद करने के हमारे पास कोई रास्ता नहीं बचता।

हर केंद्र की एक ही कहानी– टीम जब बिहरा, बिंदुल, जिर और पोड़ी पाठ जैसे केंद्रों पर पहुंची, तो वहां भी कमोबेश यही नजारा था। कहीं बिल्डिंग तो खड़ी है पर अंदर स्टाफ का अता-पता नहीं, तो कहीं लाइट और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं तक गायब हैं।

कलेक्टर का कड़ा रुख– मामला तूल पकड़ते ही प्रशासन की नींद खुली है। सिंगरौली कलेक्टर गौरव बैनल ने इस घटना पर कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने साफ कहा, मामला गंभीर है।

90-डिग्री फ्लाईओवर के बाद ऐशबाग में एक और 'अधूरा अजूबा'

रेलवे की बाउंड्री में फंसा पब्लिक टॉयलेट

भोपाल (नप्र)। राजधानी के ऐशबाग इलाके में पहले से ही 90-डिग्री वाला अधूरा फ्लाईओवर सिस्टम की नाकामी का गवाह बना खड़ा है। अब इसी फेहरिस्त में एक और नया मामला जुड़ गया है। यहां नगर निगम ने लाखों रुपये खर्च कर एक सार्वजनिक शौचालय बनवाया, लेकिन अब वह किसी काम का नहीं रहा। वजह यह है कि रेलवे ने अपनी जमीन को सुरक्षित करने के लिए शौचालय के ठीक आगे एक ऊंची दीवार खड़ी कर दी है, जिससे इसके अंदर जाने का रास्ता ही खत्म हो गया।

चेतावनी को किया अनसुना

स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों ने बताया कि जहां यह शौचालय बनाया गया है, वहां पहले कचरे का ढेर लगा रहता था। बीएमसी ने सफाई के मकसद से यहां शौचालय बनाना शुरू किया। लोगों ने शुरुआत में ही अफसरों

को आगाह किया था कि यह जमीन रेलवे की है और बेहतर होगा कि पास ही निगम की अपनी खाली जमीन (पुराने वाटर टैंक के पास) पर इसे बनाया जाए। लेकिन, अधिकारियों ने लोगों की बात को अनसुना कर दिया और निर्माण कार्य जारी रखा।

रेलवे ने खींच दी दीवार

पिछले दो हफ्तों के भीतर रेलवे ने अपनी सीमा तय करते हुए वहां पक्की दीवार खड़ी कर दी। नतीजा यह हुआ कि नया बना शौचालय अब रेलवे परिसर के अंदर एक बंद डिब्बे की तरह फंसा हुआ है। स्थानीय व्यापारियों ने कहा यह जनता के पैसे की सीधी बर्बादी है। जब जमीन हमारी थी ही नहीं, तो वहां निर्माण क्यों कराया गया? अब न तो यहां कोई जा सकता है और न ही इसका कोई उपयोग है। आखिर इस लापरवाही का जिम्मेदार कौन है?

अफसरों ने साधी चुप्पी

इस पूरे विवाद पर वार्ड 40 की पार्षद मसर्रत और बीएमसी के कार्यपालन यंत्री ए.के. साहनी की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। वहीं, अधीक्षण यंत्री आर.आर. जरोलिया ने बस इतना कहा कि वे शहर से बाहर हैं और वापस आकर मामले की जांच करेंगे।

नियोजन की कमी का नया स्मारक

ऐशबाग के लिए यह कोई नई बात नहीं है। यहां का फ्लाईओवर पहले से ही गलत प्लानिंग की भेंट चढ़ा हुआ है। अब यह शौचालय भी उसी कड़ी का हिस्सा बन गया है।

● रोहित की वापसी होते ही ...

मुंबई की किस्मत पलटी

44 गेंद पर 84 रन बनाए, शर्माजी के छक्कों से रोमांचित दिखे दर्शक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 47वें मैच में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए। निकोलस पूरन ने बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। 300 के स्ट्राइक रेस से रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बना लिए। चोट से

● लखनऊ सुपर जायंट्स की लगातार छठी हार

उबरने के बाद पांच मैच बाद वापसी करते हुए रोहित शर्मा ने शानदार पारी खेली और मुंबई इंडियंस को 14 दिन बाद जीत मिली। रयान रिकेल्टन ने भी बेहतरीन पारी खेली। इससे पहले 20 अप्रैल को गुजरात टाइटंस को हराया था। इसके बाद 3 मैच हारी थी। लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार छठी हार मिली। वह 9 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स से जीती थी। मुंबई इंडियंस ने इस जीत के साथ प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखीं। उसके छह अंक हो गए हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए निकोलस पूरन ने 21 गेंद पर 63 रन बनाए। मिचेल मार्श ने 25 गेंद पर 44 रन बनाए। हिम्मत सिंह ने 31 गेंद पर नाबाद 40 और एडेन मार्करम ने 25 गेंद पर 31 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋषभ पंत ने 15, जोश इंग्लिस ने 13 और अक्षत रघुवंशी ने 11 रन बनाए। मुंबई इंडियंस के लिए कॉर्बिन बॉश ने 2 विकेट लिए। एएम गजनफर, विल जैक्स और रघु शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा ने 44 गेंद पर 84 रन बनाए। रयान रिकल्टन ने 32 गेंद पर 83 रन बनाए। नमन धीर ने 12 गेंद नाबाद 23 और विल जैक्स ने 4 गेंद पर नाबाद 10 रन बनाए। तिलक वर्मा 11 और सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मणिमारन सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और मोहसिन खान ने 1-1 विकेट लिए।

एमएस धोनी की जानकारी देने की मेरी हैसियत नहीं

CSK के कोच ने बताई अपनी 'मजबूरी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने सोमवार (4 मई) को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी टीम के साथ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के लिए दिल्ली नहीं आए हैं। धोनी को लेकर जानकारी देने की हैसियत उनकी नहीं है। उन्होंने कहा कि धोनी ही जानते हैं कि वह कब खेलेंगे। हालांकि, वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। आईपीएल 2026 का आधे से ज्यादा सीजन हो चुका है और चेन्नई सुपर किंग्स 10वां मैच खेलने

वाली है, लेकिन अबतक धोनी नहीं खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से एक दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एरिक सिमंस से पहला ही सवाल धोनी के खेलने को लेकर हुआ। उन्होंने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी को लेकर जानकारी देने की मेरी हैसियत नहीं है। वह हमारे साथ (दिल्ली में) नहीं है, लेकिन लगातार बेहतर हो रहे हैं। वह जब तैयार होंगे तब होंगे। वही जानते हैं कि वह खेलने के लिए कब तैयार होंगे।'

अंशुल कम्बोज की तारीफ की

गेंदबाजों के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए सिमंस ने अंशुल कम्बोज की खूब तारीफ की, जिन्होंने मैच के हर फेज में प्रभाव डाला है और 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, 'अंशुल काफी आगे बढ़ गए हैं। अंशुल ने इस सीजन में नहीं पिछले साल ही बेहतर करना शुरू किया था। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अलग-अलग एंगल पर काम किया और यॉर्कर को सटीक बनाया। हमने राउंड द विकेट शुरू किया है, जो अब कोई रहस्य नहीं है।

दिल्ली के लिए अच्छी खबर, एनगिडी फिट

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल ने को कहा कि लुंगी एनगिडी 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैच में लगी सिर की चोट से उबरकर मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। कैच लेने की कोशिश में सिर के बल गिरने के बाद एनगिडी को एंबुलेंस से तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इस चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका का यह तेज गेंदबाज दो मैच नहीं खेल पाया था। मुनाफ ने मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच से पहले कहा, 'सभी खिलाड़ी फिट हैं। लुंगी भी फिट हैं। उन्होंने दो मैच इसलिए नहीं खेले क्योंकि (सिर में चोट पर) छह दिन के आराम का नियम लागू होता है।'

एनगिडी की वापसी से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। मिचेल स्टार्क भी टीम में शामिल हो गए हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सत्र के अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया।

स्टार्क की मौजूदगी से फर्क पड़ेगा

पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स 264 रनों का बचाव करने में नाकाम रही। पंजाब किंग्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए नया रिकॉर्ड कायम कर जीत दर्ज की थी। मुनाफ ने कहा कि स्टार्क की मौजूदगी से निश्चित रूप से फर्क पड़ेगा।

जॉन सीना की फिर WWE रिंग में वापसी

BACKLASH से पहले बड़ा ऐलान; रेसलमेनिया में भी निभाई थी खास भूमिका

नई दिल्ली। WWE के दिग्गज रेसलर जॉन सीना को हाल ही में फैंस ने रेसलमेनिया 42 के दौरान होस्टिंग करते हुए माइक के साथ देखा था। सीना ने इससे पहले पिछले साल दिसंबर में आखिरी बार अपनी फाइट लड़ी थी। उसके बाद उन्होंने रिटायरमेंट का फैसला किया था। अब सीना एक बार फिर से रिंग में वापसी के लिए तैयार हैं। उनकी वापसी होगी इसी महीने होने वाले बैकलैश (BACKLASH) पीपीवी इवेंट में। इसका ऐलान एक्स पर पोस्ट करते हुए किया गया है। आपको बता दें कि बैकलैश 2026 का आयोजन 9 मई को होगा। इसका आयोजन फ्लोरिडा के टेम्पा स्थित बेंचमार्क इंटरनेशनल एरीना में होगा। इससे पहले एक्स पर रेसलिंग ऑप्स नाम के एक्स हैंडल ने खुलासा किया है। हालांकि, सीना का रोल क्या होगा यह अभी तय नहीं है। वह बतौर होस्ट भी नजर आ सकते हैं। साथ ही इस इवेंट में डैनहाउसेन का डेब्यू होने की भी जानकारी मिली है। एरिना की तरफ से भी खुलासा हुआ है कि जॉन सीना वापसी करेंगे।

अंतिम मुकाबले में सीना को मिली थी हार

जॉन सीना ने पिछले साल 13 दिसंबर को अपनी आखिरी फाइट लड़ी थी। उन्होंने इसके बाद अपना रिटायरमेंट लिया था। रिटायर होने से पहले सीना ने कई पुराने चिर प्रतिद्वंद्वी सीएम पंक, एजे स्टाइल्स, ब्रॉक लैसनर और रैंडी ऑर्टन का सामना किया था। उनका सफर भी मिलाजुला रहा था। उनके करियर का अंत गुंथर के खिलाफ मैच में हार से हुआ था।

कैसा रहा जॉन सीना का करियर?

जॉन सीना ने 2002 में अपना WWE के साथ करियर शुरू किया था। उनके पूरे रेसलिंग करियर की बात करें तो उन्होंने अपने करियर में 2320 मैचों में अभी तक रेसलिंग की और उसमें से 1818 मैच जीते। उन्होंने अपने करियर में 78.4 प्रतिशत मुकाबले जीते। जबकि सिर्फ 444 मैच वह हारे और 58 मुकाबले ड्रॉ हुए। WWE में सीना ने PPVs और PLEs मिलाकर कुल 178 फाइट लड़ीं जिसमें से 102 में उन्हें जीत मिली और 73 में हार। वह रिकॉर्ड 17 बार के WWE चैंपियन बने।

भारत-जमैका संबंधों में क्रिकेट की अहम भूमिका

जयशंकर ने सबीना पार्क में इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड का किया अनावरण

पोर्टमोर, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और जमैका के संबंधों में क्रिकेट की अहम भूमिका का जिक्र किया और कहा कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट सेतु का काम करता है। उन्होंने भारत की तरफ से इस कैरेबियाई देश को उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड के अनावरण के मौके पर यह बात कही।

जयशंकर ने रविवार को यहां ऐतिहासिक क्रिकेट मैदान सबीना पार्क में इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड के अनावरण कार्यक्रम में कहा कि क्रिकेट भारत और जमैका के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करता है और भारत में एक अरब से ज्यादा लोग इस खेल को पूरे जुनून के

साथ देखते हैं। उन्होंने कहा, खेल साझा अनुभव और आपसी सम्मान को बढ़ावा देकर देशों को करीब लाते हैं। जहां तक भारत और जमैका की बात है तो क्रिकेट का इसमें खास महत्व है। इस मौके पर जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस भी मौजूद रहे। जयशंकर ने कहा कि इस मैदान से भारतीय क्रिकेट की खास यादें जुड़ी हैं, जिसमें दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का शतक और 2011 में विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण शामिल है। उन्होंने जमैका की समृद्ध क्रिकेट विरासत का भी जिक्र किया और कहा कि जार्ज हेडली, माइकल होल्डिंग, कर्टनी वॉल्श, क्रिस गेस और एंड्यू रिचर्डसन जैसे महान खिलाड़ियों के इस देश को विश्व स्तर पर अपार सम्मान प्राप्त है। जयशंकर जमैका, सूरीनाम व त्रिनिदाद और टोबैगो की अपनी नौ दिवसीय यात्रा के तहत शनिवार शाम किंगस्टन पहुंचे। जमैकन ग्लीनर अखबार में रविवार को प्रकाशित एक लेख में जयशंकर ने कहा कि भारत और जमैका के बीच संबंध निरंतरता व बदलाव से प्रेरित हैं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 30 ट्रेनें दूसरी जगह होंगी शिफ्ट, रेलवे बोर्ड को भेजा गया प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के सबसे प्रमुख नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से लगभग 30 ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर शिफ्ट करने का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। इन ट्रेनों को चिन्हित करने के साथ ही उन स्टेशनों को भी चिन्हित कर लिया गया है, जहां यह ट्रेनें भेजी जाएंगी। वरिष्ठ

अधिकारियों की ओर से रेलवे बोर्ड को यह प्रस्ताव भेजा गया है और उनकी स्वीकृति के बाद यह गाड़ियां नए गंतव्य स्टेशन से चलाई जाएंगी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेल भूमि विकास प्राधिकरण की ओर से पुनर्विकास का काम किया जा रहा है। यहां लगभग चार वर्षों तक निर्माण कार्य चलेगा। फिलहाल पहाड़गंज की दिशा में इमारत बनाने का काम शुरू किया गया है, लेकिन आने वाले समय में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्मों का भी पुनर्विकास होगा। इसके चलते यहां गाड़ियों की संख्या को कम करने की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उन गाड़ियों की सूची तैयार कर ली गई है। नई दिल्ली से रानी कमलापति के बीच चलने वाली शताब्दी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12001-02) को हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से चलाने का प्रस्ताव है। नई दिल्ली से आगरा के बीच चलने वाली ताज एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12279-80) और नई दिल्ली से डॉ. आंबेडकर नगर के बीच चलने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 20155-56) को निजामुद्दीन शिफ्ट करने की योजना है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, दीपावली और छठ पर्व के मौके पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। ऐसे में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ कम करने के लिए त्योहारों से पहले इन गाड़ियों को शिफ्ट करने को मंजूरी मिल सकती है।

इनको शिफ्ट किया जाएगा

यह बंगाल की महिलाओं और उनके सम्मान की जीत, भाजपा की ऐतिहासिक विक्ट्री के बाद शोभा डे ने शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल में भाजपा की जबरदस्त जीत पर देश की सुप्रसिद्ध लेखिका, उपन्यासकार, स्तंभकार और पूर्व मॉडल शोभा डे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि, बंगाल में लोगों ने बदलाव के लिए वोट किया और भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाई है। यह सिर्फ भाजपा की जीत नहीं है, बल्कि यह पूरे बंगाल की जीत है। यहां के महिलाओं की जीत है।

उन्होंने आगे ममता बनर्जी की हार पर कहा, उनको बंगाल की महिलाओं ने हार का स्वाद चखाया है। उनको यहां की महिलाओं से कोई लेना देना नहीं था। उनके सम्मान से लेकर सुरक्षा तक एक भी मुद्दा उनके लिए जरूरी नहीं था। इस लापरवाही और गलत शासन का नतीजा उनको देखने को मिला है।

बंगाल में कमल के खिलते ही लोगों में खुशी की लहर है। उम्मीद है कि, आने वाले दिनों में भाजपा बंगाल की कमान किसी अच्छे लीडर को देगी; इससे बंगाल में विकास देखने को मिलेगा। इस समय के

बाद से अब लोगों को पता है कि, उनकी बात सुनी जाएगी। यहां किसी एक व्यक्ति की सरकार नहीं चलेगी। अब से लोगों की सरकार चलेगी। बता दें कि, शोभा डे भारतीय अंग्रेजी साहित्य और पत्रकारिता जगत में उनके साहसी, बेबाक और अक्सर विवादित लेखन के लिए जाना जाती है। 7 जनवरी 1948 को जन्मी शोभा डे ने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की थी, लेकिन जल्द ही उन्होंने पत्रकारिता की ओर रुख कर लिया। 1970 के दशक में उन्होंने स्टारडस्ट, सोसाइटी और सेलिब्रिटी जैसी पत्रिकाओं की शुरुआत और संपादन किया, जिसने भारतीय मनोरंजन पत्रकारिता का स्वरूप बदल दिया।

उन्हें ÷भारत की जैकी कॉलिन्स÷ भी कहा जाता है क्योंकि उनके उपन्यासों, जैसे सोशलइट इवनिंग्स और स्टारी नाइट्स में शहरी उच्च वर्ग की जीवनशैली, मानवीय रिश्तों की जटिलताओं का खुलकर चित्रण किया गया है।

क्लिनिकल डेथ के 10 मिनट बाद लौटे शख्स का दावा, बताया मौत के बाद कैसा हुआ महसूस

सांसें बंद रहने के बाद जब उसे वापस होश आया

लंदन, एजेंसी। लंदन के ईस्ट इलाके रोमफोर्ड में रहने वाले 43 साल के मैथ्यू एलिक की क्लिनिकल डेथ होने के बाद दोबारा जीवन में लौट आया। करीब 10 मिनट तक दिल और सांसें बंद रहने के बाद जब उसे वापस होश आया, तो उसने ऐसा दावा किया जिसने सभी को चौंका दिया। उसके मुताबिक, मौत के दौरान उसे किसी तरह का कोई रहस्यमयी अनुभव या दूसरी दुनिया की झलक नहीं मिली, बल्कि यह सब एक गहरी और शांत नींद जैसा महसूस हुआ।

बता दें कि मैथ्यू एक एक्टर और मॉडल हैं, जो अगस्त 2023 में अचानक गंभीर हार्ट अटैक का शिकार हो गए थे। उस समय उनके शरीर में कई खतरनाक ब्लड क्लॉट बन गए थे, जिसकी वजह से उन्हें सांस लेने में बहुत परेशानी होने लगी और हालत तेजी से बिगड़ गई।

उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पाया कि उनके दिल और फेफड़ों में बड़े आकार के खून के थक्के

जमा हो चुके थे। इसी वजह से उन्हें पल्मोनरी एम्बोलिज्म हुआ और फिर कार्डियक अरेस्ट आ गया। इस स्थिति में उनका दिल और सांसें पूरी तरह रुक गईं और उन्हें लगभग 10 मिनट तक चिकित्सकीय रूप से मृत घोषित कर दिया गया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने के लिए डिफिब्रिलेटर का इस्तेमाल किया। इस प्रक्रिया के दौरान उनका शरीर बेहद गंभीर हालत में पहुंच गया, यहां तक कि अंदरूनी चोट और ब्लीडिंग भी होने लगी। काफी मेहनत के बाद आखिरकार उनकी दिल की धड़कन दोबारा शुरू हुई और उन्हें वापस होश आया। इसके बाद वे तीन दिन तक कोमा में रहे।

जब मैथ्यू होश में आए, तो लोगों को उम्मीद थी कि वे किसी दूसरी दुनिया या किसी दिव्य अनुभव के बारे में बताएंगे।

● कुछ दूर भागने के बाद चलाई गोली

व्हाइट हाउस के बाहर हमलावर और सुरक्षाबलों में मुठभेड़, अमेरिका का राष्ट्रपति आवास किले में तब्दील

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में मंगलवार दोपहर नेशनल मॉल के पास एक हथियारबंद संदिग्ध और सीक्रेट सर्विस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद व्हाइट हाउस को कुछ समय के लिए लॉकडाउन पर रखा गया। हथियारबंद संदिग्ध द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर फायरिंग किए जाने के बाद जवाबी कार्रवाई में उसे गोली मार दी गई, जबकि क्रॉसफायर की चपेट में आने से एक किशोर राहगीर भी घायल हो गया। दरअसल, यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे हुई, जब व्हाइट हाउस परिसर की बाहरी सीमा पर गश्त कर रहे सादे कपड़ों में मौजूद सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की, जिसके पास हथियार होने का

अंदेशा था। डिप्टी डायरेक्टर मैट क्विन ने बताया कि हथियारबंद संदिग्ध से निपटने के लिए वर्दीधारी अधिकारियों को बुलाया गया। इस दौरान संदिग्ध कुछ दूर पैदल भागा और हथियार निकाला और हमारे एजेंटों और अधिकारियों की ओर गोली चला दी। इस दौरान सुरक्षाकर्मयों ने जवाबी गोलीबारी की और उससे भिड़ गए। उस व्यक्ति को गोली लगी। संदिग्ध को अस्पताल ले जाया गया, हालांकि अधिकारियों ने कहा कि उसकी हालत पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं है। इस गोलीबारी के दौरान एक राहगीर को भी गोली लगी है। अधिकारियों के अनुसार, राहगीर को संदिग्ध ने ही गोली मारी थी। यह गोलीबारी व्हाइट हाउस से कुछ ही दूरी पर स्थित 15वीं स्ट्रीट और इंडिपेंडेंस एवेन्यू के पास हुई। सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने बताया कि संदिग्ध कुछ समय से उनकी निगरानी में था.